

झारखण्ड सरकार

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(पशुपालन प्रभाग)

अबुबक्कर सिद्दीख पी0, भा0प्र0सं0
सरकार के सचिव।

महालेखाकार
झारखण्ड, राँची।

आन्तरिक वित्तीय सलाहकार।

राँची/दिनांक 23.06.26

विषय- वित्तीय वर्ष 2026-27 में मॉग संख्या-53-कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) में राज्य योजना तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अंतर्गत मो0 7282.9524 लाख (बहत्तर करोड़ बिरासी लाख पन्चानवे हजार दो सौ चालीस) रुपये मात्र की अनुमानित लागत पर व्यय एवं योजना क्रियान्वयन की स्वीकृति के संबंध में।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अंतर्गत मुख्य शीर्ष-2405-मछली पालन में उपलब्ध बजट उपबंध मो0 6400.00 लाख रू0 तथा मुख्य शीर्ष-4405-मछली पालन पर पूंजीगत परिव्यय में उपलब्ध बजट उपबंध मो0 7200.00 लाख रू0 अर्थात् कुल मो0 13600.00 लाख रू0 मात्र के विरुद्ध मुख्य शीर्ष-2405-मछली पालन में मो0 6324.9449 लाख तथा मुख्य शीर्ष-4405-मछली पालन पर पूंजीगत परिव्यय में मो0 958.0075 लाख अर्थात् कुल मो0 7282.9524 लाख (बहत्तर करोड़ बिरासी लाख पन्चानवे हजार दो सौ चालीस) रुपये मात्र की अनुमानित लागत पर व्यय एवं योजना क्रियान्वयन की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2. यह राज्य योजना चालू प्रकृति की अम्ब्रेला योजना (Umbrella Scheme) है जिसमें तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास योजना के अतिरिक्त फीड बेस्ड फिशरीज योजना, मत्स्य बीज हैचरी का अधिष्ठापन योजना, केज कल्चर विस्तार एवं सुदृढीकरण योजना, समेकित मत्स्य पालन योजना तथा बायोफ्लॉक तालाब निर्माण योजना भी सम्मिलित हैं। इसके अंतर्गत विभागीय मत्स्य बीज वितरण, मत्स्य बीज उत्पादकों को स्पॉन आपूर्ति, पोर्टेबल हैचरी एवं विभागीय हैचरियों से स्पॉन उत्पादन, जलाशयों एवं नदियों के छाड़न में in-situ स्पॉन संचयन, जलाशयों में मेजर कार्प तथा ग्रास कार्प मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन, तालाबों के मत्स्य पालन से आच्छादन हेतु मत्स्य अंगुलिका के कय में सहायता, पूर्व अधिष्ठापित केजों तथा विभागीय अनुदान से अधिष्ठापित RAS/Biofloc Tank/Biofloc Pond में पंगेशियस/GIFT तिलापिया/अमृत कतला/देशी मांगुर/Murrels एवं अन्य उपयुक्त बीज का संचयन, पुराने आर0एफ0एफ0 हेतु इनपुट, नए आर0एफ0एफ0 का अधिष्ठापन, अनुदान पर ग्रो-आउट नेट, गिल-नेट, मोटरचालित नाव, केज हाउस का अधिष्ठापन, केज रिपेयरिंग, मछली-सह-बत्तख पालन, मछली उत्पादन में बढ़ोत्तरी (फीड बेस्ड फिशरीज) के लिए मत्स्य कृषकों को अतिरिक्त मछली के उत्पादन हेतु अनुदान पर फ्लोटिंग फीड उपलब्ध कराने के साथ ही राँची, रामगढ़, कोडरमा, बोकारो, धनबाद एवं सरायकेला जिले में स्थापित फिश फीड फैक्टरी हेतु

आवश्यकता अनुसार संचालन, केज अधिष्ठापन, इनपुट, फ्लोटिंग जेट्टी अधिष्ठापन, केज रिमॉडलिंग, इनपुट सहित बायोफ्लॉक तालाब निर्माण आदि कार्य किए जायेंगे।

3. योजनान्तर्गत स्वीकृत राशि मो0 7282.9524 लाख (बहत्तर करोड़ बिरासी लाख पन्चानवे हजार दो सौ चालीस) रुपये मात्र की निकासी निम्नांकित बजट शीर्ष से की जाएगी :-

माँग संख्या-53 कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) (राशि लाख रू0 में)

मुख्य शीर्ष-2405-मछली पालन-06-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना

क्र० (क)	लघु शीर्ष / विस्तृत शीर्ष	बजट उपबंध	स्वीकृत राशि	अवशेष राशि
लघु शीर्ष-101-अन्तर्देशीय मछली-पालन				
1	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-17-कार्यालय उपकरण 53S24050010106010317	30.00	30.00	0.00
2	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री 53S24050010106010323	2600.00	2599.99595	0.00405
3	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-29-व्यवसायिक सेवाएँ 53S24050010106010329	25.00	0.00	25.00
4	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-37-विद्युत व्यय 53S24050010106010337	25.00	25.00	0.00
5	विस्तृत शीर्ष-05-निर्माण-43-अनुरक्षण, मरम्मत एवं सुसज्जीकरण (सामग्री) 53S24050010106010543	24.00	24.00	0.00
6	विस्तृत शीर्ष-07-अन्य व्यय-59-अन्य व्यय 53S24050010106010759	25.00	25.00	0.00
उप योग:		2729.00	2703.99595	25.00405
(ख) लघु शीर्ष-789-अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना				
1	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री 53S24050078906010323	810.00	809.97185	0.02815
उप योग:		810.00	809.97185	0.02815
(ग) लघु शीर्ष-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना				
1	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-17-कार्यालय उपकरण 53S24050079606010317	20.00	20.00	0.00
2	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री 53S24050079606010323	2700.00	2699.9771	0.02290
3	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-29-व्यवसायिक सेवाएँ 53S24050079606010329	25.00	0.00	25.00
4	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-37-विद्युत व्यय 53S24050079606010337	20.00	20.00	0.00
5	विस्तृत शीर्ष-04-मोटरगाड़ियाँ/ईंधन-40-नई मोटरगाड़ी का कय 53S24050079606010440	25.00	0.00	25.00
6	विस्तृत शीर्ष-05-निर्माण-43-अनुरक्षण, मरम्मत एवं सुसज्जीकरण (सामग्री) 53S24050079606010543	48.00	48.00	0.00
7	विस्तृत शीर्ष-07-अन्य व्यय-59-अन्य व्यय 53S24050079606010759	23.00	23.00	0.00
उप योग:		2861.00	2810.97710	50.02290
योग (मुख्य शीर्ष-2405) :		6400.00	6324.9449	75.05510

✓ *Handwritten signature*

✓ *Handwritten signature*

मुख्य शीर्ष-4405-मछली पालन पर पूंजीगत परिव्यय-72-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना

क्र०	लघु शीर्ष / विस्तृत शीर्ष	बजट उपबंध	स्वीकृत राशि	अवशेष राशि
(घ)	लघु शीर्ष-101-अन्तर्देशीय मछली-पालन			
1	विस्तृत शीर्ष-05-निर्माण-44-जीर्णोद्धार 53S44050010172010544	150.00	65.67	84.33
2	विस्तृत शीर्ष-05-निर्माण-45-निर्माण कार्य 53S44050010172010545	950.00	223.00	727.00
उप योग:		1100.00	288.67	811.33
(ग)	लघु शीर्ष-789-अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना			
1	विस्तृत शीर्ष-05-निर्माण-44-जीर्णोद्धार 53S44050078972010544	40.00	38.6725	1.3275
2	विस्तृत शीर्ष-05-निर्माण-45-निर्माण कार्य 53S44050078972010545	280.00	192.00	88.00
उप योग:		320.00	230.6725	89.3275
(च)	लघु शीर्ष-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना			
1	विस्तृत शीर्ष-05-निर्माण-44-जीर्णोद्धार 53S44050079672010544	210.00	85.6650	124.3350
2	विस्तृत शीर्ष-05-निर्माण-45-निर्माण कार्य 53S44050079672010545	5570.00	353.00	5217.00
उप योग:		5780.00	438.6650	5341.3350
योग (मुख्य शीर्ष-4405) :		7200.00	958.00750	6241.99250
कुल योग (मुख्य शीर्ष- 2405 + 4405) :		13600.00	7282.95240	6317.04760

कुल मो0 7282.9524 लाख (बहत्तर करोड़ बिरासी लाख पन्चानवे हजार दो सौ चालीस) रु0 मात्र।

4. योजना के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी निदेशक मत्स्य, जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची/पश्चिमी सिंहभूम/पूर्वी सिंहभूम/गुमला/लोहरदगा/पलामू/गढ़वा/दुमका/साहेबगंज/गोड्डा/धनबाद/बोकारो/हजारीबाग/गिरिडीह/देवघर/चतरा तथा जिला मत्स्य पदाधिकारी, सरायकेला-खरसौवा/सिमडेगा/लातेहार/जामताड़ा/पाकुड़/रामगढ़/खूँटी/कोडरमा तथा मुख्य अनुदेशक, मत्स्य किसान प्रशिक्षण केन्द्र, राँची एवं सहायक मत्स्य निदेशक, अनुसंधान, राँची होंगे जो दिये गये भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य के संलग्न विवरणी के अनुरूप राशि की निकासी दिये गये आवंटन के अंतर्गत संबंधित कोषागार से करेंगे। इस योजना अंतर्गत स्वीकृत राशि से संलग्न परिशिष्ट-I, II, III, IV, V, VI, VII एवं VIII में उल्लेखित भौतिक लक्ष्यों एवं वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप ही राशि व्यय की जाएगी।

5. योजना के नियंत्री पदाधिकारी राज्य स्तर पर निदेशक मत्स्य, झारखण्ड, राँची होंगे एवं योजना के सर्वोच्च नियंत्री पदाधिकारी सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग होंगे।

तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार -

6. इस योजना में विभागीय प्रक्षेत्रों में कुल 2500 लाख मत्स्य बीज का उत्पादन मो0 9000/- (नौ हजार) रु0 प्रति लाख मत्स्य बीज की अनुमानित दर पर किया जायेगा। लघु शीर्ष-789 में उत्पादित 300 लाख मत्स्य बीज का 80 प्रतिशत अर्थात् 240 लाख मत्स्य बीज, लघु शीर्ष-796 में उत्पादित 1310 लाख मत्स्य बीज का 80 प्रतिशत अर्थात् 1048 लाख मत्स्य बीज एवं लघु शीर्ष-101

में उत्पादित बीज 890 लाख का 80 प्रतिशत अर्थात् 712 लाख मत्स्य बीज अर्थात् कुल 2000 लाख मत्स्य बीज मो0 10,000/- (दस हजार) रु0 प्रति लाख की दर से बिक्री कर मो0 200.00 लाख (दो करोड़) रु0 का राजस्व प्राप्त किया जायेगा।

शेष 500 लाख मत्स्य बीज अनुदान पर वैसे अनुसूचित जाति/जनजाति के मत्स्य कृषकों को उपलब्ध कराया जायेगा, जो नगद राशि पर मत्स्य बीज का क्रय किए हों। अस्सी हजार मत्स्य बीज क्रय करने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति के मत्स्य कृषकों को बीस हजार मत्स्य बीज शत-प्रतिशत अनुदान पर देय होंगे। यह अनुपातिक रूप से जिलावार इस कोटि के लक्ष्य के अधीन होगा।

7. निजी क्षेत्र के प्रशिक्षित मत्स्य बीज उत्पादकों के द्वारा कुल 422.75 करोड़ मत्स्य बीज उत्पादन करने के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कुल 1691 करोड़ मत्स्य स्पॉन प्रशिक्षित (चालू अथवा विगत वर्ष में विभाग से प्रशिक्षित) मत्स्य बीज उत्पादकों को सरकारी तथा गैर सरकारी हैचरी से अधिकतम 550/-रु0 प्रति लाख स्पॉन की अनुमानित दर से उत्पादन/जिला स्तरीय निविदा द्वारा क्रय कर आपूर्ति करने की योजना है। आपूर्ति किये जाने वाले स्पॉन के मूल्य का 90 प्रतिशत व्यय का वहन सरकार द्वारा तथा 10 प्रतिशत मूल्य का वहन लाभुक मत्स्य बीज उत्पादक द्वारा किया जायेगा। समान मूल्य दर पर स्थानीय हैचरी संचालकों को प्राथमिकता दी जायेगी। स्थानीय हैचरियों को क्रियाशील बनाने के उद्देश्य से कुल निर्धारित लक्ष्य का कम से कम 10 % स्थानीय हैचरी से (जिस जिला में स्थानीय हैचरी नहीं है वह समीपस्थ जिला जहाँ स्थानीय हैचरी है, से अधियाचना करेंगे) आपूर्ति की जाएगी। राज्य के पोर्टबल/प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना/विभागीय योजना/अन्य योजना से निर्मित मत्स्य बीज हैचरियों से 228 करोड़ मत्स्य स्पॉन उत्पादन तथा विभागीय हैचरियों के रख-रखाव (ब्रूडर तथा प्रेरित प्रजनन सहित) एवं इनसे 79 करोड़ मत्स्य स्पॉन का उत्पादन किया जाएगा। प्रति करोड़ मत्स्य स्पॉन उत्पादन हेतु अधिकतम 40,000/- रु0 की दर से अथवा वास्तविक व्यय जो कम हो, का व्यय किया जाएगा। पोर्टबल हैचरी से उत्पादित स्पॉन की बिक्री से प्राप्त आय संबंधित हैचरी संचालक समूह के बैंक खाते में जमा होगी ताकि इस समूह के हैचरी कार्य से इन्हें स्थानीय रोजगार उपलब्ध हो सके। अवशेष राशि हैचरी के रख-रखाव एवं अगले चक्र हेतु उपयोग की जायेगी। विभागीय हैचरियों में ब्रूडर की व्यवस्था, रख-रखाव आदि के लिए प्रति हैचरी मो0 1.00 लाख रु0 मात्र अतिरिक्त कर्णांकित है।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राज्य में विभागीय स्तर पर पंगेशियस मत्स्य बीज हैचरी का संचालन मुख्य अनुदेशक, मत्स्य किसान प्रशिक्षण केन्द्र, राँची के द्वारा उप मत्स्य निदेशक (जलाशय) अथवा निदेशक मत्स्य द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी के मार्गदर्शन में किया जाएगा। विभागीय हैचरी के रख-रखाव एवं स्पॉन उत्पादन के तहत ही राशि का व्यय किया जायेगा।

7500 मत्स्य बीज उत्पादकों को मत्स्य स्पॉन से मत्स्य बीज की तैयारी, निकासी एवं बिक्री हेतु 2000/-रु0 का फैक्ट्री फॉर्मूलेटेड एक्सट्रूडेड मैश फीड (Factory Formulated Extruded Mash Feed) दिया जायेगा, साथ ही जाल आदि के क्रय पर अधिकतम 2000/-रु0 अनुदान प्रति बीज उत्पादक की दर से झास्कोफिश, राँची के द्वारा आपूर्ति की जाएगी। झास्कोफिश, राँची से अनुपलब्धता की स्थिति में GeM / जिला स्तर पर निविदा आमंत्रित करते हुए उपलब्ध कराया जायेगा।

8. (क) मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के सक्रिय सदस्यों/बीज उत्पादकों के माध्यम से जलाशयों में in-situ मत्स्य बीज का उत्पादन/संचयन कराया जायेगा। इस पर प्रति लाख स्पॉन से मत्स्य बीज के उत्पादन पर अधिकतम मो0 800/- रु0 मात्र की अनुमानित दर से विभागीय रूप से व्यय किया जायेगा। चयनित स्थल, संचित किये गये स्पॉन, की गई आवश्यक तैयारी तथा फोटोग्राफ्स आदि से संबंधित अभिलेख तैयार करने की जिम्मेवारी संबंधित क्षेत्रीय मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक/पदाधिकारी तथा जिला मत्स्य पदाधिकारी की होगी। इस कार्यक्रम के भौतिक

ऑकड़ों/उपलब्धियों का अंकन अभिलेख का आवश्यक अंग होगा। स्थल चयन मत्स्यजीवी सहायोग समितियों के सक्रिय सदस्यों/बीज उत्पादकों तथा संबंधित क्षेत्रीय मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक/पदाधिकारी के द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी एवं उसका भी ब्यौरा अभिलेख में संधारित किया जायेगा। इसीप्रकार नदियों में भी in-situ मत्स्य बीज का उत्पादन/संचयन कराया जायेगा। इस पर प्रति लाख स्पॉन से मत्स्य बीज के उत्पादन पर अधिकतम मो0 700/- रु0 मात्र की अनुमानित दर से विभागीय रूप से व्यय किया जायेगा।

(ख) जिला मत्स्य पदाधिकारी अपने जिले के जलाशयों में मत्स्य अंगुलिकाओं के संचयन के प्राप्त भौतिक लक्ष्य को प्राथमिकता के आधार पर बड़े जलाशयों, मध्यम जलाशयों एवं छोटे जलाशयों में संचयन हेतु विभाजित करेंगे तथा सुनिश्चित करेंगे कि अधिक से अधिक जलाशयों में समानुपातिक रूप से अंगुलिकाओं का संचयन संभव हो। उप मत्स्य निदेशक (जलाशय) अथवा निदेशक मत्स्य द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा जलाशयों में मत्स्य अंगुलिकाओं के संचयन हेतु आवश्यक संख्या का अनुमोदन किया जाएगा। निदेशक मत्स्य द्वारा जलाशयों में अंगुलिकाओं के ससमय संचयन हेतु आवश्यकतानुसार दिशा निदेश निर्गत किया जायेगा।

(ग) पुराने आर0एफ0एफ0 में इनपुट्स (यथा मत्स्य बीज, पूरक आहार आदि) हेतु संलग्न परिशिष्टों में अंकित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप प्रति यूनिट अधिकतम 25,000/- रु0 अथवा वास्तविक व्यय, जो भी कम हो, की दर से कार्य संपादित किए जायेंगे तथा अनुदान की राशि लाभुक/लाभुक समूह के बैंक खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।

(घ) जलाशयों/नदियों के छाड़न हेतु स्पॉन का क्रय GeM / जिला स्तर पर निविदा के माध्यम से प्रक्रिया अनुसार किया जायेगा।

(ङ.) इस योजना अंतर्गत निजी क्षेत्र के तथा बंदोबस्त सरकारी तालाबों के मत्स्य पालन से आच्छादन हेतु स्थानीय स्तर पर उत्पादित मत्स्य अंगुलिका के क्रय में 50 प्रतिशत सहायता अर्थात् अधिकतम 1875/- रु0 प्रति एकड़ औसत जलक्षेत्र (लगभग 5000 बीज प्रति एकड़) हेतु अनुदान डी0बी0टी0 के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा। लाभुकों का चयन जिला स्तरीय सुरक्षित जमा निर्धारण समिति द्वारा किया जाएगा। विभागीय प्रशिक्षण प्राप्त एवं चालू वित्तीय वर्ष में झास्कोफिश/विभागीय फिश फीड मिल से फीड प्राप्त करने वाले मत्स्य कृषकों को प्राथमिकता दी जायेगी। जिला मत्स्य कार्यालय से संबद्ध मत्स्य बीज उत्पादकों से मत्स्य अंगुलिका क्रय किया जायेगा। संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी संचयन के Geo tagged फोटोग्राफ्स (Latitude - longitude सहित)/वीडियोग्राफ्स/पंजी आदि संधारित कराकर सुरक्षित रखेंगे। विभाग द्वारा मत्स्य स्पॉन प्राप्त करने वाले मत्स्य बीज उत्पादक एवं उनके परिवार को यह लाभ देय नहीं होगा।

(च) योजना के अन्तर्गत आकस्मिकता मद की स्वीकृत राशि से पर्यवेक्षण, फोटोग्राफी, डाटा इन्ट्री इत्यादि कार्य किए जाएँगे।

9. मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन जिला स्तर पर पूर्व से उपायुक्त द्वारा गठित समिति एवं उक्त समिति के कम से कम 50% सदस्यों की उपस्थिति में किया जायेगा। संचयन के कार्यक्रम से जिले के उपायुक्त को संचिका के माध्यम से अवगत कराया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार नई समिति का गठन, उपायुक्त की सहमति से किया जा सकेगा।

10. (क) पंगेशियस/GIFT तिलापिया/अमृत कतला/देशी मांगुर/Murrels/अन्य उपयुक्त बीज तथा अन्य मेजर/ग्रास कार्प की अंगुलिकाओं के क्रय हेतु जिला स्तर पर समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर "इच्छा की अभिव्यक्ति" आमंत्रित की जायेगी। समान मूल्य दर पर स्थानीय मत्स्य बीज उत्पादकों/प्रशिक्षित मत्स्य बीज उत्पादकों को प्राथमिकता दी जायेगी।

(ख) संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी संचयन एवं in-situ बीज उत्पादन के फोटोग्राफ्स (Latitude - longitude सहित)/वीडियोग्राफ्स/पंजी आदि संधारित कराकर सुरक्षित रखेंगे।

(ग) एक मत्स्य बीज उत्पादक से न्यूनतम 50 हजार तथा अधिकतम 02 लाख मत्स्य बीज (मेजर कार्प अंगुलिका) ही कय किये जायेंगे एवं तदनुसार लाभुक के बैंक खाते में अनुदान की राशि डी0बी0टी0 के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी। मत्स्य निदेशालय स्तर पर उप मत्स्य निदेशक (जलाशय) की अध्यक्षता में गठित कमिटी द्वारा ज्ञापांक 421 दिनांक 26.03.2026 के माध्यम से मेजर कार्प अंगुलिका का 1.50/- रु0 (size - 3"- 4"), ग्रास कार्प अंगुलिका का 2.50/- रु0 (size - 3"- 4") तथा पंगेशियस/MST अंगुलिका हेतु 3.00/- रु0 (size - 2.5"- 3") मात्र इकाई लागत आकलित की गई है।

(घ) जलाशय/खदान स्तरीय समितियों एवं उनके सदस्यों को दिए जाने वाले 166 नाव हेतु दिनांक 19.03.2026 को उप मत्स्य निदेशक (योजना, प्रसार एवं अनुश्रवण), मत्स्य निदेशालय, राँची की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक की कार्यवाही ज्ञापांक 422 दिनांक 26.03.2026 द्वारा निर्धारित स्पेसिफिकेशन (ल0 X चौ0 X ग0 - 14' X 4'6" X 20") एवं इकाई लागत के आलोक में मो0 40,000/- (चालीस हजार) रु0 होगी, में सरकारी सहायता अधिकतम् मो0 36,000/- (छत्तीस हजार) रु0 प्रति नाव लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी। शेष राशि समितियों अथवा उनके सदस्यों के द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। आवश्यकतानुसार निजी स्वामित्व के 04 हेक्टेयर से बड़े तालाबों में भी सामान्य नाव का लाभ दिया जा सकेगा।

(ङ) केज रिपेयरिंग की अनुमानित लागत मो0 35,000/- (पैंतीस हजार) रु0 है जिसमें सरकारी सहायता अधिकतम् मो0 25,000/- (पच्चीस हजार) रु0 की होगी। शेष राशि केज लाभुकों/धारक समितियों के द्वारा स्वयं वहन किया जायगा। केज रिपेयरिंग के लिए इच्छुक लाभुक जिला मत्स्य कार्यालय में आवेदन देंगे। प्राप्त आवेदनों की स्थल जाँच प्रभारी मत्स्य प्रसार पदाधिकारी/मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक अथवा आवश्यकतानुसार जिला मत्स्य पदाधिकारी स्वयं लाभुक के साथ ससमय करेंगे। मरम्मत योग्य केज का लाभुकवार केज रिपेयरिंग के अभिलेख तैयार किए जायेंगे। अभिलेख में लाभुक का आवेदन, केज का फोटोग्राफ (Latitude - longitude सहित), रिपेयरिंग कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों की सूची (दर सहित), मजदूरी पर व्यय की गई राशि, केजों की कुल संख्या एवं रिपेयरिंग के उपरांत फोटोग्राफ तथा जिला मत्स्य पदाधिकारी की टिप्पणी सहित लाभुक का कार्य सम्पादित का आवेदन संधारित किये जायेंगे। केज रिपेयरिंग में प्रयुक्त सामग्रियों/मजदूरी का भुगतान केज अधिष्ठापन के वर्तमान प्राक्कलन/अधिसूचित दर के आधार पर वास्तविक अथवा अधिकतम मो0 25000/-रु0 प्रति केज बैटरी, जो भी कम हो किया जायेगा तथा शेष राशि केज लाभुकों/धारक समितियों के द्वारा स्वयं वहन की जायेगी। जिला मत्स्य पदाधिकारी केज रिपेयर में हुए कार्यों में लाभुकों के अंशदान के समानुपातिक राज्य सहायता सुनिश्चित करेंगे।

(च) जलाशयों में वर्ष 2020-21 तक निर्मित केजों के लिए कम से कम 6 मीटर x 4 मीटर x 5 मीटर साईज के 45 Ply के 12-24 mm eye size नायलॉन, 210 D नायलॉन knotted / knotless (लाभुक के इच्छानुसार) ग्रो-आउट नया नेट लगाना आवश्यक है। एक लाभुक को अधिकतम् दो नये ग्रो-आउट नेट ही देय होंगे। वित्तीय वर्ष 2023-24 में निदेशक मत्स्य द्वारा ग्रो आउट नेट की इकाई लागत निर्धारित करने हेतु आमंत्रित "इच्छा की अभिव्यक्ति" में 45 Ply के knotted ग्रो-आउट हेतु निर्धारित न्यूनतम दर 30,200/- रुपये का 75 प्रतिशत अर्थात् अधिकतम 22,650/- रुपये का स्वीकृत अनुदान देय होगा तथा शेष लाभुक का अंशदान होगा। केज मत्स्य पालक अगर knotless ग्रो-आउट नेट अथवा 6 मीटर x 4 मीटर x 5 मीटर साईज से बड़े साईज के ग्रो-आउट नेट का कय करते हैं तो उनके 75 प्रतिशत अनुदान की गणना उक्त दर 30,200/- रुपये प्रति नेट के आधार पर ही की जाएगी एवं आवश्यक शेष राशि का वहन लाभुक द्वारा किया जायेगा।

लाभुकों का चयन जिला स्तरीय सुरक्षित जमा निर्धारण समिति द्वारा किया जाएगा। इस समिति में संबंधित जलाशय के केज के क्षेत्र की मत्स्यजीवी सहयोग समिति के अध्यक्ष/सचिव अथवा दोनों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। वैसे केज लाभुक जिनके पास वर्ष 2021-22 के पूर्व अर्थात् वर्ष 2020-21 तक के निर्मित केज हों तथा केजों में वर्तमान में मछली पालन किया जा रहा है। साथ ही लाभुक द्वारा अपना अंशदान लगाने की लिखित सहमति एवं विगत वर्षों का केज में मछली उत्पादन का आँकड़ा लिखित रूप में आवेदन के साथ संलग्न किया गया हो। केज मत्स्य पालकों द्वारा उपरोक्त निर्धारित मूल्य के नये ग्रा-आउट नेट के क्रय का अभिश्रव empanelled फर्म/संस्था से प्रस्तुत करने पर अनुदान की राशि उनके बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी। जिला मत्स्य पदाधिकारी अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत मत्स्य प्रसार पदाधिकारी/पर्यवेक्षक के द्वारा ग्रा-आउट नेट का भौतिक सत्यापन अनुदान विमुक्त करने के पूर्व किया जाएगा।

(छ) जलाशयों में मछली पालन के दौरान मत्स्य पालकों की सुरक्षा तथा आपदा की स्थिति में जिला प्रशासन द्वारा की जाने वाली मोटरचालित नाव की मांग को ध्यान में रखते हुये जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों को empanelled फर्म/संस्था से 4 से 6 सीटर क्षमता वाले मोटरचालित नाव {FRP Boat, Size- 14'- 0" x 5'- 4" x 2'- 0" के साथ 9.9 HP OBM HIDEA/SUZUKI/YAMAHA/OUTBOARD etc. equivalent, Manual Rope Start 2 Stroke Petrol operated तथा Accessories-Oars (2 Nos.) एवं PP Rope-50 Ft.} उपलब्ध कराया जाना है। जलाशयों में केज एवं केज हाउस अधिष्ठापित किये बिना भी मत्स्य उत्पादन/मछली पकड़ने के आधार पर मोटरबोट उपलब्ध कराया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में निदेशक मत्स्य द्वारा मोटरचालित नाव की इकाई लागत निर्धारित करने हेतु आमंत्रित "इच्छा की अभिव्यक्ति" में निर्धारित न्यूनतम दर 4,14,000/- रुपये का 90 प्रतिशत अर्थात् अधिकतम 3,72,600/- रुपये का स्वीकृत अनुदान देय होगा तथा आवश्यक शेष 10 प्रतिशत राशि का वहन लाभुक समितियों द्वारा स्वयं किया जाएगा।

लाभुक मत्स्यजीवी सहयोग समितियों का चयन जिले के उपायुक्त द्वारा किया जाएगा। इसके लिए समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञापन के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जाएँगे। इस हेतु चयन समिति का गठन उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा कराया जाएगा। बोट के संचालन तथा रख-रखाव की जिम्मेवारी संबंधित लाभुक मत्स्यजीवी सहयोग समिति की होगी।

(ज) इसी प्रकार जलाशयों में मछली की शिकारमाही करने वाले जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/सदस्यों/विस्थापितों तथा कोविड-19 के प्रवासी मजदूरों को मछली की शिकारमाही हेतु प्रति लाभुक अधिकतम 05 कि० ग्रा० गिल नेट (Fish Net Nylon Poly, Twin size 1/3, Mesh size 75mm - 150 mm, M.D 100) हेतु अनुदान उपलब्ध कराया जाना है। इस स्पेशिफिकेशन के गिल नेट के क्रय हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 में निदेशक मत्स्य द्वारा इकाई लागत निर्धारित करने के लिए आमंत्रित "इच्छा की अभिव्यक्ति" में निर्धारित न्यूनतम दर 590/- रुपये के विरुद्ध 90 प्रतिशत की आर्थिक सहायता अर्थात् 2655/- रु० दी जाएगी एवं आवश्यक शेष 10 प्रतिशत राशि का वहन लाभुकों द्वारा स्वयं किया जाएगा।

लाभुकों का चयन जिला स्तरीय सुरक्षित जमा निर्धारण समिति द्वारा किया जाएगा। इस समिति में संबंधित जलाशय के मत्स्यजीवी सहयोग समिति के अध्यक्ष/सचिव अथवा दोनों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। लाभुक को अपना अंशदान लगाने की लिखित सहमति एवं विगत दो वर्षों का मछली शिकारमाही का आँकड़ा लिखित रूप में आवेदन के साथ संलग्न करना होगा। Empanelled फर्म/संस्था/आपूर्तिकर्ता से उपरोक्त उल्लिखित स्पेशिफिकेशन के नये 05 कि० ग्रा० गिल नेट क्रय का अभिश्रव प्रस्तुत करने पर जिला मत्स्य पदाधिकारी अथवा

उनके द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी/कर्मचारी के सत्यापन उपरान्त अनुदान की राशि लाभुकों के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।

(झ) पूर्व में वर्ष 2015-16 तक विभिन्न जलाशयों में केज हाउस का निर्माण कराया गया है। किन्तु वर्ष 2016-17 से केन्द्र प्रायोजित ब्लू रेमोल्यूशन योजना एवं एन0एफ0डी0बी0 द्वारा तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (वित्तीय वर्ष 2024-25 से DAJGUA सहित) के तहत राज्य के विभिन्न जलाशयों में निर्मित केजों के साथ केज हाउस निर्मित नहीं हैं। इन केजों में मछलियों के आहार (Fish Feed) को रखने की व्यवस्था तथा केज पालकों के ठहरने हेतु केज हाउस आवश्यक है। केज हाउस के अधिष्ठापन से जलाशयों में अधिष्ठापित केजों में मछली पालन की निगरानी भी अच्छे तरीके से की जा सकेगी। कार्यपालक अभियंता, RWD Works Division, हजारीबाग द्वारा मो0 6,05,450/- रुपये मात्र प्रति केज हाउस के प्राक्कलन पर दिनांक 21.09.2023 को तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई है।

निदेशक मत्स्य द्वारा उपरोक्त तकनीकी स्वीकृत प्राक्कलन के विरुद्ध केज हाउस की इकाई लागत निर्धारित करने हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 में आमंत्रित "इच्छा की अभिव्यक्ति" में निर्धारित न्यूनतम दर 6,01,000/- रुपये पर अधिकतम 90 प्रतिशत अनुदान देय होगा तथा शेष 10 प्रतिशत लाभुक का अंशदान होगा। साथ ही लाभुक द्वारा अपना अंशदान लगाने की लिखित सहमति एवं विगत वर्षों का केज में मछली उत्पादन का आँकड़ा लिखित रूप में आवेदन के साथ संलग्न किया गया हो। पूर्व के वैसे केज लाभुक जिन्हें केज हाउस का लाभ नहीं मिला है, उन्हें इस केज हाउस का लाभुक बनाया जा सकता है। केज हाउस का अधिष्ठापन मत्स्य निदेशालय के पत्रांक 248 दिनांक 08.02.2024 द्वारा empanelled फर्म/संस्था से लाभुक द्वारा कराया जाएगा।

विभागीय योजना अंतर्गत जहाँ पूर्व से केज हैं अथवा चालू वित्तीय वर्ष में विभागीय योजना के तहत केज अधिष्ठापित किये जा रहें हों, वहीं केज हाउस का निर्माण कराया जाय।

(ज) नये आर0एफ0एफ0 के लिए प्रति चालीस मी0 X पाँच मी0 के नेट के साथ इनपुट व्यय सहित इकाई लागत मो0 86,000/- रु0 अनुमानित है। इस योजना के अंतर्गत आकस्मिकता मद की स्वीकृत राशि से पर्यवेक्षण, फोटोग्राफी (Latitude - longitude सहित), डाटा इन्ट्री इत्यादि कार्य किए जाएंगे।

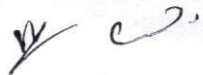
(ट) अनुरक्षण, मरम्मत एवं सुसज्जीकरण (सामग्री) मद के तहत आवश्यकतानुसार कार्यों के साथ-साथ क्रय आदि की विहित प्रक्रिया का पालन करते हुये जरेडा के माध्यम से सोलर लाईट अधिष्ठापन का कार्य किया जायेगा।

(ठ) लोहरदगा जिला अंतर्गत इस योजना की सृजित देनदारियाँ (जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, लोहरदगा के पत्रांक 914 दिनांक 29.12.2025 द्वारा संसूचित) जिनका भुगतान कतिपय कारणों से लंबित रहा है, का भुगतान, विधिवत जाँचोपरांत इस राज्यादेश के अधीन किया जा सकेगा। देनदारियों का सृजन स्वीकृत कार्यों के वास्तविक निष्पादन के उपरान्त हुआ है, इसकी विधिवत समीक्षा कर भुगतान की जिम्मेवारी संबंधित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी की होगी।

(ड) योजना के अंतर्गत उपर्युक्त कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन हेतु समय-समय पर मत्स्य निदेशालय द्वारा जिलों को अनुदेश जारी किये जायेंगे।

(ढ) प्राथमिक स्तर पर प्रखण्ड प्रभारी मत्स्य प्रसार पदाधिकारी/मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक एवं द्वितीय स्तर पर जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा योजना का अनुश्रवण तथा स्थल निरीक्षण किया जाएगा। मदवार प्रगति के आँकड़ों का मासिक संकलन जिला स्तर पर करते हुए इसका प्रतिवेदन निदेशक मत्स्य को प्रेषित किया जाएगा।

निदेशालय स्तर पर उप मत्स्य निदेशक, योजना, प्रसार एवं अनुश्रवण/जलाशय/संबंधित सहायक मत्स्य निदेशक (तकनीकी)/निदेशक मत्स्य द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी इस योजना के





अंतर्गत राज्य के भौतिक उपलब्धियों की साप्ताहिक समीक्षा कर प्रतिवेदन निदेशक मत्स्य को उपलब्ध कराएंगे तथा भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित कराएंगे। निदेशालय स्तर पर आवश्यकतानुसार योजना के विभिन्न एवं आवश्यक कम्पोपेंट्स का समय-समय पर मूल्यांकन कराया जाएगा।

समेकित मत्स्य पालन -

11. राज्य के मत्स्य पालकों को समेकित मत्स्य पालन की ओर उन्मुख करने तथा उनकी आय में बढ़ोत्तरी हेतु निजी क्षेत्र के लिए मछली-सह-बत्तख पालन योजना की स्वीकृति दी जाती है।
 - i. इस योजना में लाभुकों के द्वारा मछली-सह-बत्तख पालन (2 Components) किया जाएगा।
 - ii. वित्तीय वर्ष 2020-21 में मत्स्य प्रसार, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान योजना अन्तर्गत राज्य योजना प्राधिकृत समिति की दिनांक 22.02.2021 को सम्पन्न बैठक में एक कॉम्पोनेन्ट के रूप में मछली-सह-बत्तख पालन की स्वीकृति प्राप्त है। बैठक की कार्यवाही माननीय योजना-सह-वित्त मंत्री जी के अनुमोदन उपरान्त योजना-सह-वित्त विभाग (योजना प्रभाग) के ज्ञापांक रा0 यो0 प्रा0 - 35/21 दिनांक 01.03.2021 द्वारा निर्गत है।
12. (क) चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भी समान इकाई लागत दर (मो0 1,53,350/-रु0) प्रति 0.4 हेक्टर जलक्षेत्र (तालाब) लागू होगी। Duck House लाभुक द्वारा स्थानीय स्तर पर बनाया जायेगा।

(ख) इस योजना अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं महिला कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 80 प्रतिशत (अधिकतम मो0 1,22,680/-रु0) होगा तथा शेष अंशदान लाभुक का होगा। अन्य सभी कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 70 प्रतिशत (अधिकतम मो0 1,07,345/-रु0) होगा, शेष राशि लाभुक द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। इसी प्रकार 0.2 हेक्टेयर पर मछली-सह-बत्तख पालन के लिए राज्य सरकार के अंशदान की राशि समानुपातिक रूप से होगी।
13. प्राथमिकता एक एकड़ अथवा उससे बड़े जलक्षेत्र के तालाबों को दी जाएगी किन्तु एक स्थल/लाभुक पर एक यूनिट (160 ducklings) ही स्वीकृत किया जायेगा।

RFF के लिए भी प्रति स्थल अधिकतम दो इकाई (Two units) की परियोजना होगी। लाभुक का अंशदान वहाँ कार्यरत लाभुक समूह/मत्स्यजीवी सहयोग समिति द्वारा वहन किया जाएगा।
14. समाचार पत्रों में दिए गए विज्ञापन के उपरान्त प्राप्त आवेदनों में लाभुकों का चयन जिला स्तर पर "सुरक्षित जमा निर्धारण समिति" द्वारा किया जायेगा जिसमें जिला पशुपालन पदाधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित पदाधिकारी (पशु चिकित्सक) विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।
15. लाभुकों का चयन निम्न बिन्दुओं/अर्हताओं पर किया जायेगा -
 - (क) योजना कार्यान्वयन का प्रस्तावित स्थल आबादी के नजदीक हो।
 - (ख) लाभुक का अपना तालाब (प्राथमिकता एक एकड़ अथवा उससे बड़े तालाब) हो अथवा वित्तीय वर्ष 2026-27 से तीन वर्षों के लिए लीज पर हो।
 - (ग) जिला मुख्यालय के नजदीक के लाभुकों को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि अनुश्रवण आदि में सुविधा हो।
 - (घ) RFF के पास के लाभुकों के चयन में ध्यान रखा जाएगा कि RFF का लाभुक समूह सक्रिय हो तथा उनका बैंक खाता संचालित हो रहा हो।
 - (ङ) लाभुकों का cluster बनाकर योजना का कार्यान्वयन किया जाना श्रेयस्कर होगा।
16. (क) समेकित मत्स्य पालन के रूप में मछली-सह-बत्तख पालन का जिलावार एवं लघु शीर्षवार भौतिक लक्ष्य (यूनिट में) एवं वित्तीय लक्ष्य (लाख रु0 में) परिशिष्ट 'IV' के रूप में संलग्न है।

(ख) मत्स्य निदेशालय के पत्रांक 668 दिनांक 01.06.2021 एवं पत्रांक 691 दिनांक 09.06.2021 द्वारा 0.4 हे0 अर्थात् एक यूनिट समेकित मत्स्य पालन हेतु इसके विभिन्न अवयव संबंधित अधीनस्थ स्थापनाओं को संसूचित हैं।

17. सरकार का अनुदान तीन किस्तों में जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा लाभुक को डी0 बी0 टी0 के माध्यम से विमुक्त किया जायेगा। अनुदान की प्रथम किस्त तथा लाभुक के अंशदान से बत्तख-घर (Duck-House) का निर्माण, Starter feed/ medicines तथा Ducklings क्रय किये जायेंगे। उक्त कार्य होने पर द्वितीय किस्त तथा दो माह तक Ducks के जीवित रहने के उपरान्त तृतीय किस्त की राशि विमुक्त की जायेगी।

क्षेत्रीय मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक/मत्स्य प्रसार पदाधिकारी तथा जिला मत्स्य पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि जिस हेतु राशि विमुक्त की जा रही है उसका व्यय उन्हीं कार्यों में किया जाय।
फीड बेस्ड फिशरीज -

18. कंडिका '3' के तालिका के क्रमांक - (क) 1 एवं (ग) 1 में कार्यालय उपकरण मद में अंकित राशि जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची, बोकारो एवं धनबाद तथा जिला मत्स्य पदाधिकारी, सरायकेला-खरसावाँ, रामगढ़ एवं कोडरमा को उपलब्ध कराई जायेगी, जिनके द्वारा (जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची द्वारा प्रबंध निदेशक, झास्कोफिश, राँची से प्राप्त माँग के आलोक में) फीड मिल के उपकरणों का क्रय GeM के माध्यम से किया जाएगा। GeM में उपलब्ध नहीं रहने पर वित्त विभाग द्वारा स्थापित विहित प्रक्रिया अनुसार किया जायेगा।

उपर्युक्त उल्लिखित तालिका के क्रमांक - (क) 6 एवं (ग) 7 में अंकित अन्य व्यय की राशि से विभिन्न जिलों में स्थापित फीड मिल के संचालन में आकस्मिकताओं के भुगतान (मात्र राँची जिला के लिए जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची द्वारा प्रबंध निदेशक, झास्कोफिश, राँची से प्राप्त माँग के आलोक में) हेतु व्यय किया जायेगा। साथ ही इसी तालिका के क्रमांक - (क) 4 एवं (ग) 4 में अंकित विद्युत व्यय की राशि से राँची (जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची द्वारा प्रबंध निदेशक, झास्कोफिश, राँची से प्राप्त माँग के आलोक में), सरायकेला, रामगढ़, कोडरमा, बोकारो तथा धनबाद के फीड मिल के विद्युत विपत्रों का व्यय किया जायेगा।

19. विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री मद में स्वीकृत राशि से मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालकों को मछली के उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत अथवा 25/- रु0 प्रति कि0ग्रा0 अधिकतम अनुदान पर कम से कम 24 % प्रोटीन गुणवत्तायुक्त 2 mm से बड़े 4 mm तक का फिश फीड उपलब्ध कराया जाएगा।

विभाग द्वारा स्थापित फिश फीड मिल अथवा झास्कोफिश से उत्पादित फिश फीड अथवा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत सरकारी अनुदान से स्थापित फिश फीड मिल से उत्पादित फीड पर ही यह लाभ कृषकों को फीड के रूप में ही दिया जाएगा।

20. उपर्युक्त कंडिका 19 के अतिरिक्त मत्स्य पालकों को 2 mm अथवा इससे छोटे साइज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) के क्रय पर भी 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 25/-रु0 प्रति किलोग्राम फीड की दर से ही अनुदान देय होगा।

एक लाभुक को अधिकतम कुल 700 किलोग्राम 2 mm अथवा इससे छोटे साइज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर 25/-रु0 प्रति किलोग्राम के समानुपातिक दर पर अधिकतम 17500/- (सतरह हजार पाँच सौ) रु0 अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जायेगी।

21. कंडिका 19 एवं 20 के अतिरिक्त केज मत्स्य पालकों को दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए 2 mm से बड़े 4 mm तक के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) के कय पर 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 25/-रु0 प्रति किलोग्राम फीड की दर से अनुदान देय होगा। एक लाभुक को अधिकतम कुल 1500 किलोग्राम 2 mm से बड़े 4 mm तक के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के कय पर 25/-रु0 प्रति किलोग्राम के समानुपातिक दर पर अधिकतम 37,500/- (सैंतीस हजार पाँच सौ) रु0 अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जायेगी। इसके अतिरिक्त रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ्लॉक टैंक तथा बायोफ्लॉक तालाब के लिए भी अनुदान पर फीड उपलब्ध कराया जाएगा जो निम्न प्रकार है -

(क) रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (RAS) - रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम में दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को 90 m³ के प्रति टैंक (अधिकतम 08 टैंक) के लिए अधिकतम 650 किलोग्राम प्रति टैंक की दर से 4 mm तक के साइज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के कय पर 25/-रु0 प्रति किलोग्राम के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जायेगी।

(ख) बायोफ्लॉक टैंक (Biofloc Tank) - इसी प्रकार बायोफ्लॉक टैंक में दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को 10 m³ के प्रति टैंक (अधिकतम 50 टैंक) के लिए अधिकतम 50 किलोग्राम प्रति टैंक की दर से 4 mm तक के साइज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के कय पर 25/-रु0 प्रति किलोग्राम के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जायेगी।

(ग) बायोफ्लॉक तालाब (Biofloc Pond) - बायोफ्लॉक तालाब (0.1 Ha) में दूसरे crop के मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को अधिकतम 1500 किलोग्राम प्रति तालाब (0.1 Ha) की दर से 4 mm तक के साइज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के कय पर 25/-रु0 प्रति किलोग्राम के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जायेगी।

22. केज मत्स्य पालकों/रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम लाभुकों/बायोफ्लॉक टैंक लाभुकों/बायोफ्लॉक तालाब के लाभुकों को अनुदान पर फिश फीड उपलब्ध कराने हेतु उनके चयन में यह ध्यान रखा जाय कि लाभुक सक्रिय केज मत्स्य पालक/सक्रिय रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम संचालक/सक्रिय बायोफ्लॉक टैंक संचालक/सक्रिय बायोफ्लॉक तालाब संचालक हो तथा उसके द्वारा केज में/रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम में/बायोफ्लॉक टैंक में/बायोफ्लॉक तालाबों में वर्तमान में मछली पालन किया जा रहा हो। उसके पास कम से कम पिछले एक crop का रिकॉर्ड हो। मात्स्यिकी गतिविधियों (मत्स्य बीज संचयन की विवरणी, संचित मत्स्य बीज की संख्या तथा उपलब्ध मछली, मछलियों के ग्रोथ, उत्तरजीविता तथा बिक्री की गई मछलियों का data) से नियमित रूप से जिला मत्स्य कार्यालय को अवगत कराने के लिए सहमत हो।

23. जिला मत्स्य पदाधिकारी लाभुकवार मत्स्य बीज संचयन की विवरणी, संचित मत्स्य बीज की संख्या तथा उपलब्ध मछली (कि0 ग्रा0 अथवा टन में) की विवरणी प्राप्त करेंगे। मछलियों के ग्रोथ, उत्तरजीविता तथा उपलब्ध मछलियों (यदि संचित मछलियों में से बिक्री की गई हो तो शेष उपलब्ध मछलियों) के अनुरूप ही चार किस्तों में लाभुक को अनुदान देय होगा। जिला मत्स्य पदाधिकारी के द्वारा इस संबंध में लाभुकवार प्रतिवेदन निदेशालय को प्रेषित कर ही अनुदान का भुगतान किया जायेगा। जिला मत्स्य पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि किस्तवार देय अनुदान उपलब्ध स्टॉक तथा इसके लिए आवश्यक समानुपातिक फीड के अनुरूप हो।

24. लाभुक द्वारा 2 mm अथवा इससे छोटे साइज / 2 mm से बड़े 4 mm तक के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) का वास्तविक रूप में कय किया गया है एवं इसकी GST Billing हुई है, इसकी पूर्ण जिम्मेवारी सम्बंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी की होगी। GST Billing के

बिना किसी भी लाभुक के खाते में राशि डी0बी0टी0 नहीं की जायेगी तथा जिला मत्स्य पदाधिकारी यह भी सुनिश्चित हो लेंगे कि लाभुक को देय अनुदान की राशि उसके द्वारा व्यय की गई राशि से 50 प्रतिशत अथवा 25/-रु0 प्रति किलोग्राम अधिकतम अनुदान से ज्यादा नहीं हो। साथ ही समय-समय पर फोटोग्राफी की भी जिम्मेवारी संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी की होगी।

कंडिका '20' तथा '21' में अंकित अनुदान की विमुक्ति की पूर्ण जिम्मेवारी संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी की होगी। जिला मत्स्य पदाधिकारी इस तथ्य की सत्यता की जाँच कर लेंगे कि आवेदक द्वारा वास्तव में GST विपत्र के साथ फीड का क्रय किया है।

फीड बेस्ड फिशरीज के लिए जिलावार एवं लघु शीर्षवार भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य परिशिष्ट 'V' के रूप में संलग्न है। निदेशक मत्स्य जिलावार लक्ष्य के अनुरूप योजना के कार्यान्वयन के लिए आवश्यकतानुसार दिशा निदेश निर्गत कर सकेंगे।

केज कल्चर विस्तार एवं सुदृढीकरण -

25. राज्य के वैसे सभी जलाशय अथवा खदान जिनमें मछली पालन की संभावना है, उनमें केज कल्चर के माध्यम से मत्स्य पालन करने तथा स्थानीय ग्रामीणों/विस्थापितों की आय में बढ़ोत्तरी हेतु निम्न शर्तों के साथ राज्य योजना अन्तर्गत यह योजना स्वीकृत की गई है-

- i. केज कल्चर विस्तार और सुदृढीकरण में चालू वित्तीय वर्ष में जलाशयों अथवा खदानों में केज कल्चर द्वारा मछली पालन किया जायेगा।
- ii. जलाशयों एवं खदानों में केज कल्चर में मुख्यतः G.I. पाईप से बने 12m x 8m x 5m के एक केज-एक बैटरी मॉडल अथवा 8m x 6m x 5m के दो केज-एक बैटरी मॉडल का उपयोग किया जाएगा। दिनांक 07.07.2021 को सम्पन्न बैठक जिसकी कार्यवाही ज्ञापांक 878 दिनांक 19.07.2021 द्वारा निर्गत है, में जिला मत्स्य पदाधिकारियों की अनुशंसा अनुसार खदानों में बड़े केज अर्थात् 12m x 8m x 5m के एक केज-एक बैटरी से बेहतर उत्पादन प्राप्त होगा क्योंकि वहाँ घुलनशील ऑक्सीजन जलाशयों की तुलना में कम होता है। साथ ही बड़े केज होने से पानी का बहाव बेहतर होगा।
- iii. **जलाशयों/खदानों का चयन -**
 1. जिनका क्षेत्रफल ज्यादा हो।
 2. पहुँच पथ हो तथा आबादी के नजदीक हो।
 3. मत्स्यजीवी सहयोग समिति गठित हो अथवा स्थानीय लाभुक अपना अंशदान लगाने के इच्छुक हों।
- iv. **लाभुकों का चयन -** लाभुकों का चयन प्रखण्ड प्रभारी मत्स्य प्रसार पदाधिकारी/मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक की अनुशंसा पश्चात्, जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा निम्न शर्तों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा :-
 1. लाभुकों के चयन में जलाशयों/खदानों के विस्थापितों को प्राथमिकता दी जाएगी।
 2. यदि जलाशय/खदान के उपयोग हेतु मत्स्यजीवी सहयोग समिति गठित हो तो उसके सदस्य हो।
 3. जलाशय/खदान के आस-पास के निवासी हों।
 4. लाभुक अपना अंशदान लगाने का इच्छुक हो/सक्षम हो।
 5. मत्स्यजीवी सहयोग समिति भी लाभुक हो सकती है।
 6. एक बैटरी में अधिकतम दो लाभुक साझा हो सकते हैं।
 7. जलाशयों/खदानों के चयन तथा लाभुकों के चयन पर संबंधित प्रमण्डल के प्रभारी उप मत्स्य निदेशक का अनुमोदन आवश्यक होगा।

26. केज अधिष्ठापन -

(i) कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग द्वारा वर्ष 2021 में G.I. पाईप से बने 12m x 8m x 5m के एक केज-एक बैटरी मॉडल के मो0 3,87,850/- रु0 मात्र तथा 8m x 6m x 5m के दो केज-एक बैटरी मॉडल के मो0 3,67,350/- रु0 मात्र के प्राक्कलन पर तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई है।

इन्हीं उपलब्ध प्राक्कलों को ध्यान में रखते हुए दोनों आकार के केज बैटरी अधिष्ठापन हेतु अधिकतम मो0 3,60,000/- रु0 मात्र प्रति केज-बैटरी की दर निर्धारित की गई है।

(ii) निदेशक मत्स्य द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में "इच्छा की अभिव्यक्ति" आमंत्रित करते हुये उपरोक्त दोनों प्रकार के केज बैटरी की इकाई लागत मो0 3,58,000/- रु0 मात्र प्रति केज-बैटरी निर्धारित की गई है तथा मत्स्य निदेशालय के पत्रांक 1839 दिनांक 22.12.2021 द्वारा इच्छुक फर्म/संवेदक का empanelling किया गया है।

(iii) केज का अधिष्ठापन लाभुक द्वारा उपर्युक्त कंडिका (ii) के द्वारा empanelled फर्म/संवेदक से कराया जाएगा।

(iv) "इच्छा की अभिव्यक्ति" में निर्धारित प्रति केज-बैटरी की दर मो0 3,58,000/- रु0 मात्र पर 90 प्रतिशत अर्थात् मो0 3,22,200/- रु0 मात्र का अनुदान देय होगा तथा शेष 10 प्रतिशत लाभुक का अंशदान होगा। जलाशयों/खदानों के विस्थापित केज लाभुकों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए केज अधिष्ठापन में 90 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

27. केज में इनपुट -

(i) विस्थापित केज लाभुकों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उपरोक्त उल्लिखित दोनों प्रकार के केज-बैटरी हेतु इनपुट के लिए राज्य सरकार का अंशदान 50 प्रतिशत (अधिकतम मो0 2,00,000/-रु0) होंगे तथा शेष अंशदान लाभुक का होगा।

(ii) लाभुक के द्वारा इनपुट यथा समुचित संख्या में मत्स्य बीज (प्रति बैटरी कम से कम 12000 मत्स्य बीज) संचयन के उपरांत एवं मानक कम्पनियों के 2 mm अथवा इससे छोटे फ्लोटिंग फिश फीड तथा आवश्यकतानुसार 4 mm तक के फ्लोटिंग फिश फीड के GST सहित अभिश्रव प्रस्तुत करने अथवा झास्कोफिश/विभागीय फिश फीड मिल से 4 mm तक के फ्लोटिंग फिश फीड के क्रय पर ही इनपुट की राशि लाभुकों के बैंक खाते में तीन किस्तों में डी0 बी0 टी0 के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी।

(iii) फिश फीड के क्रय की भौतिक सत्यापन की पूर्ण जिम्मेवारी संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारियों की होगी।

28. केज मत्स्य पालकों को नाव - केज मत्स्य पालकों को नाव भी उपलब्ध कराया जाना है। दिनांक 19.03.2026 को उप मत्स्य निदेशक (योजना, प्रसार एवं अनुश्रवण), मत्स्य निदेशालय, राँची की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक की कार्यवाही ज्ञापांक 422 दिनांक 26.03.2026 द्वारा निर्धारित स्पेसिफिकेशन (ल0 x चौ0 x ग0 - 14' x 4'6" x 20") एवं इकाई लागत के आलोक में मो0 40,000/- (चालीस हजार) रु0 होगी, में सरकारी सहायता अधिकतम मो0 36,000/- (छत्तीस हजार) रु0 प्रति नाव होगी। शेष राशि लाभुक सदस्यों द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा। संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारियों के द्वारा क्रय के भौतिक सत्यापन उपरांत ही अनुदान की राशि लाभुकों के बैंक खाते में डी0 बी0 टी0 के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी।

29. केज मत्स्य पालकों को लाईफ जैकेट - केज मत्स्य पालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें empanelled संस्था/फर्म से Three Buckle 5 mm EPF foam filled the whole

jacket, weight capacity : 70 - 120 kg, buoyancy 150 N, material – polyster water resistance, size – standard 68 cm X 37 cm X 10 cm, equipped with useful whistle का एक लाईफ जैकेट हेतु सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में निदेशक मत्स्य द्वारा उल्लिखित लाईफ जैकेट की इकाई लागत निर्धारित करने हेतु आमंत्रित "इच्छा की अभिव्यक्ति" में निर्धारित न्यूनतम दर 2420/- रुपये का 75 प्रतिशत अर्थात् अधिकतम 1815/- रुपये का स्वीकृत अनुदान देय होगा तथा शेष अंशदान लाभुक का अपना होगा। संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारियों के द्वारा क्रय के भौतिक सत्यापन उपरांत ही अनुदान की राशि लाभुकों के बैंक खाते में डी0 बी0 टी0 के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी।

30. **केज रिमॉडलिंग** – प्राकृतिक आपदा, स्थानीय चक्रवात, कॉप कैंस के कारण लाभुकों/धारक मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के टूटे केज की रिमॉडलिंग हेतु जीर्णोद्धार मद में राशि स्वीकृत की गई है।

(i) कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग द्वारा वर्ष 2021 में G.I. पाईप से बने चार केज-एक बैटरी मॉडल/दो केज-एक बैटरी मॉडल/एक केज-एक बैटरी मॉडल के एक केज-एक बैटरी में रिमॉडलिंग के मो0 1,83,500/- रु0 मात्र के प्राक्कलन पर तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई है।

(ii) निदेशक मत्स्य द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में "इच्छा की अभिव्यक्ति" आमंत्रित करते हुये केज रिमॉडलिंग की इकाई लागत मो0 1,82,500/- रु0 मात्र प्रति निर्धारित की गई है तथा मत्स्य निदेशालय के पत्रांक 180 दिनांक 27.01.2023 द्वारा इच्छुक फर्म/संवेदक का empanelling किया गया है।

(iii) केज रिमॉडलिंग कार्य लाभुक/धारक समिति द्वारा उपर्युक्त कंडिका 30 (ii) के द्वारा empanelled फर्म/संवेदक से कराया जाएगा।

(iv) " इच्छा की अभिव्यक्ति " में निर्धारित केज रिमॉडलिंग दर मो0 1,82,500/- रु0 मात्र प्रति पर 90 प्रतिशत अर्थात् मो0 1,64,250/- रु0 मात्र का अनुदान देय होगा तथा शेष 10 प्रतिशत लाभुक/धारक समिति का अंशदान होगा। जलाशयों के विस्थापितों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए केज रिमॉडलिंग में भी 90 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

(v) केज रिमॉडलिंग हेतु लाभुक पूर्व में केज धारक अथवा जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति का सदस्य हो। मत्स्यजीवी सहयोग समिति भी लाभुक हो सकती है। लाभुक अपना अंशदान लगाने का इच्छुक हो/सक्षम हो। चार केज-एक बैटरी मॉडल अथवा दो केज-एक बैटरी मॉडल में अधिकतम दो लाभुक साझा हो सकते हैं। जलाशयों के विस्थापित केज धारकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

(vi) केज रिमॉडलिंग के लिए इच्छुक लाभुक/धारक समिति जिला मत्स्य कार्यालय में आवेदन देंगे। प्राप्त आवेदनों की स्थल जाँच प्रभारी मत्स्य प्रसार पदाधिकारी/मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक अथवा आवश्यकतानुसार जिला मत्स्य पदाधिकारी स्वयं लाभुकों के साथ करेंगे।

(vii) मरम्मत योग्य केज का लाभुकवार केज रिमॉडलिंग के अभिलेख तैयार किए जायेंगे। अभिलेख में लाभुक का आवेदन, केज का फोटोग्राफ्स (Latitude – Longitude सहित), रिमॉडलिंग कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों की सूची, मजदूरी पर व्यय की गई राशि, केजों की कुल संख्या तथा रिमॉडलिंग के उपरांत फोटोग्राफ एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी की टिप्पणी सहित लाभुक का कार्य संपादित का आवेदन संधारित किये जायेंगे। जिला मत्स्य पदाधिकारी केज रिमॉडलिंग में हुए कार्यों में लाभुकों के अंशदान के समानुपातिक राज्य सहायता सुनिश्चित करेंगे।

31. **फ्लोटिंग जेट्टी** – जलाशयों के किनारे में लैंडिंग कार्यस्थल हेतु आपूर्ति सामग्री मद में फ्लोटिंग जेट्टी अधिष्ठापन हेतु राशि स्वीकृत की गई है।

(i) पर्यटन निदेशालय, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 131 दिनांक 08.02.2024 द्वारा निर्गत औपबंधिक कार्यादेश में अंकित दर मो0 35,900/- रु0 प्रति Sq. m के आधार पर ही 40 Sq. m के फ्लोटिंग जेट्टी अधिष्ठापन हेतु अधिकतम मो0 14,36,000/- रु0 मात्र की दर निर्धारित की गई है।

(ii) फ्लोटिंग जेट्टी अधिष्ठापन हेतु पर्यटन निदेशालय, झारखण्ड सरकार द्वारा निर्धारित आवश्यक Specifications के आलोक में जिला स्तर पर संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारियों के द्वारा "इच्छा की अभिव्यक्ति" आमंत्रित करते हुये अथवा पर्यटन निदेशालय, झारखण्ड सरकार के द्वारा यदि इस हेतु empanelled फर्म/संवेदक हो तो, से कराया जाएगा। किये गये कार्य के अभिश्रवों के आधार पर जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा राशि कार्य एजेन्सियों/आपूर्तिकर्त्ता के बैंक खाता में एकमुश्त हस्तांतरित की जायेगी।

(iii) फ्लोटिंग जेट्टी अधिष्ठापन हेतु जलाशय का चयन संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा किया जायेगा तथा इससे उपायुक्त को संचिका के माध्यम से अवगत कराया जायेगा। फ्लोटिंग जेट्टी के रख-रखाव की जिम्मेवारी उस जलाशय के मत्स्यजीवी सहयोग समिति की होगी।

केज अधिष्ठापन, फ्लोटिंग जेट्टी अधिष्ठापन एवं केज रिमॉडलिंग का जिलावार एवं लघु शीर्षवार भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य कमशः परिशिष्ट 'VI' एवं 'VII' के रूप में संलग्न है।

बायोफ्लॉक तालाब निर्माण योजना -

32. इस योजना अंतर्गत लाभुकों के निजी जमीन पर 0.1 हेक्टेयर (एक यूनिट) के बायोफ्लॉक तालाब निर्माण (इनपुट सहित) हेतु भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत स्वीकृत इकाई दर के अनुरूप ही मो0 14,00,000/- (चौदह लाख) रु0 मात्र अंतर्गत क्रियान्वित कराया जाना है। इस हेतु राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं महिला कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 80 प्रतिशत (अधिकतम 11,20,000/- रु0 प्रति 0.1 हेक्टेयर) तथा शेष अंशदान लाभुक का होगा। अन्य सभी कोटि के लाभुकों के लिये राज्य सरकार का अंशदान 70 प्रतिशत (अधिकतम 9,80,000/- रु0 प्रति 0.1 हेक्टेयर) तथा शेष अंशदान लाभुक का होगा। एक लाभुक को अधिकतम एक यूनिट (0.1 हेक्टेयर) का लाभ दिया जायेगा। राज्य सरकार का अंशदान लाभुकों के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।

नए बायोफ्लॉक तालाब निर्माण हेतु लाभुकों के चयन की प्रक्रिया निम्नवत् होगी :

(i) लाभुकों का चयन स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर प्राप्त आवेदनों में से जिला परिषद् द्वारा किया जायेगा।

(ii) लाभुकों का चयन निम्न अहर्ताओं के आधार पर किया जायेगा :-

(क) जिन लाभुकों के घर के नजदीक प्रस्तावित जमीन है तथा पूर्व से मछली पालन के कार्य से जुड़े हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जायेगी।

(ख) बायोफ्लॉक तालाब निर्माण हेतु लाभुक द्वारा प्रस्तावित भूमि समुचित एवं अविवादित होनी चाहिए।

(ग) लाभुक के द्वारा प्रस्तावित भूमि पहले से बैंक में किसी ऋण के एवज में बन्धक नहीं हो।

(घ) लाभुक द्वारा प्रस्तावित भू-खण्ड पर उसका वैध दखल कब्जा वर्तमान में बरकरार हो, जिसका भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र/जमीनी प्रतिवेदन संलग्न करना होगा।

(ङ) चूंकि इस योजना में तालाब निर्माण हेतु लाभुक का भी अंशदान निहित है, अतः उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम होना चाहिए।

- (iii) उपयुक्त भूमि एवं लाभुकों का पारदर्शी तरीके से चयन कराने एवं प्रस्तावित भूमि पर पूर्व से किसी प्रकार का तालाब निर्माण का कार्य नहीं किया गया हो, की पूरी जिम्मेवारी संबंधित प्रभारी मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक/मत्स्य प्रसार पदाधिकारी तथा जिला मत्स्य पदाधिकारी की होगी।
- (iv) प्रस्तावित भू-खण्ड पर कार्य शुरू होने से पूर्व प्रस्तावित भू-खण्ड का, निर्माण कार्य के मध्य में तथा कार्य पूर्ण होने के उपरान्त लाभुक सहित फोटोग्राफ (Latitude & Longitude के साथ) संलग्न करना होगा, जो अभिलेख का अभिन्न अंग होगा।
- (v) लाभुक का अंशदान सुनिश्चित करने के लिए ले-आउट तथा समानुपातिक खुदाई का व्यय लाभुक के अंशदान से किया जाये।
- (vi) बायोफ्लॉक तालाब निर्माण कार्य स्थल पर सुगोचर स्थान पर सूचना पट्ट लगाया जाएगा, जिसमें योजना का नाम/वर्ष/प्राक्कलित राशि/अनुदान राशि/लाभुक का नाम एवं स्थान अंकित रहेगा। सूचना पट्ट का व्यय लाभुक द्वारा किया जायेगा।
- (vii) संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा कार्य की प्रगति के अनुसार कम से कम तीन किस्तों में अनुदान की राशि विमुक्त की जाएगी। बायोफ्लॉक तालाब निर्माण पूर्ण होने के पश्चात् ही इनपुट हेतु अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।
- (viii) बायोफ्लॉक तालाब निर्माण के पूर्व संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी एवं लाभुक के बीच एक एकरारनामा किया जायेगा।
- (ix) योजना के अन्तर्गत बायोफ्लॉक तालाब निर्माण (इनपुट सहित) कार्य मत्स्य निदेशालय के पत्रांक 1586 दिनांक 17.11.2021 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कराना संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। चयन के उपरान्त लाभुक के द्वारा तालाब निर्माण में शिथिलता बरतने अथवा अपना अंशदान नहीं लगाने पर उनपर विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
- (x) जिलावार एवं लघु शीर्षवार भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य परिशिष्ट 'VIII' के रूप में संलग्न है। निदेशक मत्स्य जिलावार लक्ष्य के अनुरूप योजना के कार्यान्वयन के लिए आवश्यकतानुसार दिशा निदेश निर्गत कर सकेंगे।

33. योजना के तहत कंडिका-8 (ग) एवं 10 (ड.), (छ), (झ) एवं (ञ) तथा कंडिका 26 एवं 30 में अंकित components हेतु चयनित प्रत्येक लाभुकों/लाभुक समूहों/लाभुक समितियों का Escrow Account संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी के द्वारा अनिवार्य रूप से खोला जायेगा एवं अनुदान की राशि नियमानुसार चयनित लाभुकों के संबंधित बैंक खातों (Escrow Account) में DBT के माध्यम से हस्तांतरित किया जायेगा। अंतिम रूप से चयनित होने के उपरान्त लाभुकों को भी अपना अंशदान Escrow Account में 01 (एक) माह के अंदर जमा करना अनिवार्य होगा। लाभुक अंशदान जमा होने के उपरान्त ही लाभुकों को योजना का लाभ प्राप्त करने की अर्हता प्राप्त होगी। आवेदक/आवेदक समिति के द्वारा लाभुक अंशदान संबंधित Escrow Account में जमा कराना सुनिश्चित किया जायेगा। किये गये कार्य के अभिश्रवों के आधार पर जिला मत्स्य पदाधिकारी द्वारा लाभुक अंशदान एवं अनुदान की राशि कार्य एजेन्सियों/आपूर्तिकर्ता के बैंक खाता में एकमुश्त हस्तांतरित की जायेगी।

34. झारखण्ड दिव्यांग नीति के तहत इच्छुक दिव्यांगों को योजनाओं में तीन प्रतिशत तक का लाभ दिया जा सकेगा। साथ ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किये जाने के क्रम में योजनाओं के चयन में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

35. इस योजना अंतर्गत अनुमानित व्यय के आधार पर मदवार राशि स्वीकृत की गई है। मदवार स्वीकृत राशि की अधिसीमा अंतर्गत पारदर्शी तरीके से सभी स्थापित प्रक्रियाओं का अनुपालन करते हुये दर का निर्धारण कर संबंधित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी द्वारा राशि का व्यय सुनिश्चित किया जायेगा।

36. स्वीकृत राशि का व्यय प्राप्त आवंटन, वित्त विभागीय स्थायी अनुदेश पत्रांक-2561 दिनांक 17.04.98 द्वारा निरूपित प्रावधानों का दृढ़ता से अनुपालन करते हुए तथा वित्तीय नियमावली व कोषागार संहिता के सुसंगत नियमों एवं वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत परिपत्रों के आलोक में की जायेगी।
37. विषयगत योजना कार्यान्वयन के क्रम में मशीन, उपस्कर इत्यादि के क्रय वित्त विभाग, झारखण्ड, राँची द्वारा निर्धारित मानकों/शर्तों/नियमों का सुदृढ़तापूर्वक पालन किया जाए।
38. मशीन, उपस्कर इत्यादि के Specification का निर्धारण मत्स्य निदेशालय स्तर पर तकनीकी पदाधिकारी के द्वारा निर्धारित किये जाने के उपरांत विहित पारदर्शी वित्तीय प्रक्रिया अपनाते हुए GeM / खुली निविदा से किया जाए।
39. योजनांतर्गत प्रसंगाधीन शीर्ष के तहत जिस अवयव के लिए बजटीय उपबंध प्रावधानित है, स्वीकृत राशि का व्यय उन्हीं कार्यों के निमित्त सुनिश्चित किया जाय।
40. योजनाओं को भौतिक निरीक्षण निदेशक, मत्स्य/संयुक्त मत्स्य निदेशक/उप मत्स्य निदेशक/जिला मत्स्य पदाधिकारी के द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

क्र०	पदाधिकारी	योजनावार निरीक्षण की न्यूनतम संख्या
1.	जिला मत्स्य पदाधिकारी	20 (बीस)
2.	उप मत्स्य निदेशक	10 (दस)
3.	संयुक्त मत्स्य निदेशक	05 (पाँच)
4.	निदेशक, मत्स्य	02 (दो)

योजना का अनुश्रवण त्रिस्तरीय होगा। प्रथमतः क्षेत्रीय मत्स्य प्रसार पर्यवेक्षक/मत्स्य प्रसार पदाधिकारी स्थल निरीक्षण/परियोजना निरीक्षण करते हुए संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी को प्रतिवेदन देंगे।

निरीक्षण का द्वितीय स्तर जिला मत्स्य पदाधिकारी का होगा। निरीक्षण का तृतीय स्तर निदेशालय का होगा। निदेशक मत्स्य द्वारा निदेशालय स्तरीय संयुक्त मत्स्य निदेशक/उप मत्स्य निदेशक/सहायक मत्स्य निदेशकों से औचक निरीक्षण कराया जाएगा। प्रत्येक निरीक्षण के उपरांत निरीक्षण प्रतिवेदन संबंधित योजना अभिलेख में अंकित किया जायेगा।

41. इस योजना का क्रियान्वयन Blockchain Technology के माध्यम से सुचारु रूप से किया जायेगा।
42. योजना के कार्यान्वयन में पंचायती राज संस्थाओं को प्रत्यायोजित शक्तियों के आलोक में पंचायती राज संस्थाओं की भागदारी सुनिश्चित किया जाय।
43. Cluster पद्धति से ही कार्य कराया जाय ताकि योजना का समुचित अनुश्रवण हो सके।
44. प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के Guidelines में निहित प्रावधानों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
45. राशि का व्यय उपलब्ध बजट उपबंध के अंतर्गत स्वीकृत मदों में दर्शायी गई राशि की अधिसीमा में की जायेगी। इसके उल्लंघन की स्थिति में संबंधित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी पूर्णतः दोषी होंगे।
46. वित्तीय वर्ष 2025-26 के वित्तीय एवं भौतिक उपलब्धियों पर संतुष्ट होने के उपरांत ही आवंटन निर्गत किया जायेगा। किसी भी परिस्थिति में योजना का दोहरीकरण न हो। इसके उल्लंघन की स्थिति में संबंधित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी पूर्णतः दोषी होंगे।
47. योजना के अन्तर्गत कोई राशि अग्रिम के समायोजन हेतु लंबित नहीं है।
48. यह चालू प्रकृति की अम्ब्रेला (Umbrella Scheme) योजना है। योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्य शीर्ष-2405 एवं 4405 सहित स्वीकृत बजट उपबंध मो0 7420.00 लाख रु0

(संशोधित बजट उपबंध मो0 8620.00 लाख रु0) मात्र में से मो0 7537.71414 लाख रु0 मात्र का व्यय स्वीकृत कार्य हेतु किया गया है।

49. उक्त स्वीकृत्यादेश मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग, झारखण्ड के अधिसूचना, ज्ञापांक 301 दिनांक 11.03.2015 एवं ज्ञापांक 1269 दिनांक 21.09.2023 के आलोक में निर्गत किया जाता है।

50. प्रस्ताव में माननीय विभागीय मंत्री का अनुमोदन निम्न शर्त के साथ प्राप्त है :-

(i) योजना क्रियान्वयन के संबंध में वित्त विभाग/कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के साथ-साथ अन्य विभागीय शर्तों का अक्षरशः अनुपालन कर लिया जाए।

(ii) योजना के क्रियान्वयन के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि इसके मूल स्वरूप में किसी भी प्रकार का विचलन न हो।

(iii) नियमानुसार उपयोगिता प्रमाण-पत्र/व्यय प्रतिवेदन प्राप्त कर एवं अन्य सभी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर ही अग्रतर कार्रवाई की जाए।

51. स्वीकृत्यादेश प्रारूप पर विभागीय आंतरिक वित्तीय सलाहकार की सहमति प्राप्त है।

52. स्वीकृत्यादेश प्रारूप में उल्लेखित प्रावधानों/शर्तों का अक्षरशः सुदृढ़तापूर्वक अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

53. निर्गत स्वीकृत्यादेश विभागीय वेब-साईट www.jharkhandfisheries.org पर देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन

(अबुबकर सिद्दीख पी0)

सरकार के सचिव

ज्ञापांक :- 5 बजट (1) 36/2026 15.10.140

प्रतिलिपि:-

राँची, दिनांक 23.06.26

अनुलग्नक सहित सभी संबंधित कोषागार पदाधिकारी/निदेशक मत्स्य, झारखण्ड, राँची/संयुक्त मत्स्य निदेशक/उप मत्स्य निदेशक (सभी)/जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (सभी) एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी (सभी)/मुख्य अनुदेशक, मत्स्य किसान प्रशिक्षण केन्द्र, राँची/सहायक मत्स्य निदेशक, अनुसंधान को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ज्ञापांक :- 5 बजट (1) 36/2026 15.10.140

प्रतिलिपि:-

राँची, दिनांक 23.06.26

अनुलग्नक सहित योजना एवं विकास विभाग, झारखण्ड, राँची/आ0 वि0 सलाहकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग/सभी प्रमंडलीय आयुक्त/उपायुक्त (सभी)/उप विकास आयुक्त (सभी) एवं सभी अपर समाहर्ता (अध्यक्ष, जिला स्तरीय सुरक्षित जमा निर्धारण समिति) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ज्ञापांक :- 5 बजट (1) 36/2026 15.10.140

प्रतिलिपि:-

राँची, दिनांक 23.06.26

अनुलग्नक सहित माननीय विभागीय मंत्री के आप्त सचिव/ मुख्य सचिव के सचिव/ विकास आयुक्त, झारखण्ड, राँची के सचिव एवं सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के प्रधान आप्त सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।

सरकार के सचिव

15 मार्च 1980
23-06-25

वित्तीय वर्ष 2026-27 में भाग संख्या-53-कृषि, पर्यावरण एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग)-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अंतर्गत मुख्य शीर्ष-2405-मछली पालन एवं 4405-मछली पालन पर पूंजीगत परिचय-लघु शीर्ष-101-अन्तर्देशीय मछली पालन का जिलावार भौतिक एवं वित्तीय

क्र.सं.	कार्य	मुख्य शीर्ष-2405-मछली पालन-उप शीर्ष-06-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना										
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
क्र.सं.	कार्य	मुख्य शीर्ष-4405-मछली पालन पर पूंजीगत परिचय-उप शीर्ष-72-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना										
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री	रजिस्ट्रार/बाग	रजिस्ट्रार/बाग	कोड/समा	चतुर्था	चतुर्था	मिनिस्ट्रार	घनबाद	मोड/डा	पलाम	गडवा	देवर
2	विभागीय मत्स्य बीज वितरण का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	120	70	60	80	130	80	80	60	50	50	110
3	विभागीय मत्स्य बीज वितरण का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	10.80	6.30	5.40	7.20	11.70	7.20	7.20	5.40	4.50	4.50	890
4	मत्स्य बीज उत्पादकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	400	280	280	310	360	250	340	280	340	360	80.10
5	मत्स्य बीज उत्पादकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	16.00	10.00	10.00	12.40	14.40	10.00	13.60	11.20	13.60	14.40	3500
6	मत्स्य बीज उत्पादकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	10000	6800	5500	6500	7500	5500	7000	7000	7000	8000	140.00
7	मत्स्य बीज उत्पादकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	49.500	33.660	27.23	32.1750	37.13	27.23	34.650	34.650	34.65	39.6000	7300
8	मत्स्य बीज उत्पादकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	15	5	24	24	12	6	5	9	8	6	382.6350
9	मत्स्य बीज उत्पादकों को प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	6.00	2.00	9.60	9.60	4.80	2.40	2.00	3.60	3.20	2.40	46.40
10	विभागीय मत्स्य बीज वितरण का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	8	0	0	0	1	0	2	0	0	2	19
11	विभागीय मत्स्य बीज वितरण का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	4.20	0.00	0.00	0.00	1.40	0.00	1.80	0.00	0.00	1.80	12.60
12	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	46	18	10	6	10	7	6	10	8	5	11
13	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	36.80	14.40	8.00	4.80	8.00	5.60	4.80	8.00	6.40	4.00	137
14	नदीयों में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	2.00	1.50	1.00	1.00	0.50	1.50	1.50	0.50	1.00	1.00	109.60
15	नदीयों में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	1.40	1.05	0.70	0.70	0.35	1.05	1.05	0.35	0.70	0.70	12.50
16	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	20	12	8	6	8	5	10	8	7	6	8.75
17	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	30.00	18.00	12.00	9.00	12.00	7.50	15.00	12.00	10.50	9.00	100
18	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	10	5	1	1	1	1	1	3	1	1	150.00
19	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	25.00	12.50	2.50	2.50	2.50	2.50	7.50	2.50	2.50	5.00	27
20	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	100	76	75	65	80	60	80	60	80	60	67.50
21	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	1.875	1.425	1.406	1.219	1.500	1.125	1.500	1.125	1.500	1.125	816
22	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	68	15	20	1	5	5	5	5.50	2	2	135.50
23	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	204.00	45.00	60.00	3.00	15.00	15.00	15.00	16.50	6.00	6.00	406.50
24	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	5	3	3	2	0	5	5	0	5	5	38
25	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	1.25	0.75	0.75	0.50	0.00	1.25	1.25	0.00	1.25	1.25	9.50
26	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	15	8	12	2	4	3	6	3	5	5	67
27	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	5.400	2.880	4.320	0.720	1.440	1.080	2.160	1.080	1.800	1.800	24.120
28	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	70	25	40	0	24	25	42	20	14	0	302
29	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	15.85500	5.66250	9.06000	0.00000	5.43600	5.66250	9.51300	4.53000	3.17100	0.00000	68.40300
30	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	2	1	2	0	1	0	1	0	1	1	9
31	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	7.452	3.726	7.452	0.000	3.726	0.000	3.726	0.000	3.726	0.000	33.534
32	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	10	30	30	10	7	8	25	8	30	49	207
33	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	0.26550	0.79650	0.79650	0.26550	0.18585	0.21240	0.66375	0.21240	0.79650	1.30095	5.49585
34	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	2	2	1	1	1	1	1	2	1	1	14
35	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	10.818	10.818	5.409	5.409	5.409	5.409	10.818	5.409	5.409	5.409	75.726
36	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	0	0	6	0	0	0	5	0	0	0	11
37	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	0.00	0.00	5.16	0.00	0.00	0.00	4.30	0.00	0.00	0.00	9.46
38	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	426.61550	170.16800	170.97875	89.48825	124.97185	93.21390	126.12175	116.96540	99.70250	89.68595	1645.62385
39	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	2.20	2.15	2.15	2.20	2.20	2.20	2.20	2.20	2.15	2.15	24.00
40	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	1.75	1.50	1.25	1.25	1.25	1.25	1.25	1.50	1.25	1.25	15.00
41	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	430.56550	173.81800	174.37875	92.93825	128.42185	96.66390	129.57175	120.66540	103.10250	93.08595	1684.62385
42	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	10	20	20	0	10	0	20	0	10	0	105
43	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	2.50	5.00	5.00	0.00	2.50	0.00	5.00	0.00	2.50	0.00	26.25
44	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का भौतिक लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	2.50	5.00	5.00	0.00	2.50	0.00	5.00	0.00	2.50	0.00	26.25
45	जलाशय में प्रशिक्षण प्रदान करने का वित्तीय लक्ष्य (रु. लाख ०० में)	433.065500	178.818000	179.378750	92.938250	130.921850	96.663900	134.571750	120.665400	105.602500	93.085950	1710.87385

नोट :- कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त तालिका में प्रस्तुत आंकड़े केवल अनुमानित हैं और वास्तविक आंकड़े के आधार पर तालिका में संशोधन किया जाएगा।

(अधिकृत हस्ताक्षर)
सचिव

15 राव (कि)
23-06-26

15/10/1907
23-06-26

15/10/1907
23-06-26

(410)

परिशिष्ट - III

मुख्य शाख-2405-नएली पालन-उप शीर्ष-06-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

5.1.2625	10.12875	58.13925	27.02150	40.10175	12.36025
----------	----------	----------	----------	----------	----------

(मो० चार करोड़ बिरानवे लाख तेरह हजार छह सौ सत्तर को मात्र)

(अनुसंधान विदेशीय चीन)
सरकार के समिति


 (सहायक शिक्षक जी)
 शाळा नं. १०११८

1570(140)
23.06.26

परिशिष्ट 'IV'

वित्तीय वर्ष 2026-27 में माँग संख्या-53-कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) मुख्य शीर्ष-2405-मछली पालन-उप शीर्ष-06-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अंतर्गत आपूर्ति एवं सामग्री मद से मछली-सह-बत्तख पालन का जिलावार भौतिक (यूनिट में) एवं वित्तीय (लाख रु० में) लक्ष्य

क्रम0	जिला का नाम	लघु शीर्ष-101-अन्तर्देशीय मछली पालन						लघु शीर्ष-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना		लघु शीर्ष-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोगना						कुल	
		अनुसूचित जनजाति		अन्य		कुल				अनुसूचित जनजाति		अन्य		कुल			
		भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय	भौतिक	वित्तीय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1	राँची	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	2	2.45360	6	7.36080	2	2.14690	8	9.50770	10	11.96130
2	खूँटी	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	1	1.22680	1	1.22680	1	1.07345	2	2.30025	3	3.52705
3	गुमला	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	1	1.22680	2	2.45360	1	1.07345	3	3.52705	4	4.75385
4	सिमडेगा	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	3	3.68040	1	1.07345	4	4.75385	4	4.75385
5	लोहरदगा	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	2	2.45360	1	1.07345	3	3.52705	3	3.52705
6	प0 सिंहभूम	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	1	1.22680	3	3.68040	1	1.07345	4	4.75385	5	5.98065
7	पूर्वी सिंहभूम	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	1	1.22680	1	1.22680	2	2.14690	3	3.37370	4	4.60050
8	सरायकेला	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	2	2.45360	2	2.45360	3	3.22035	5	5.67395	7	8.12755
9	लातेहार	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	3	3.68040	2	2.14690	5	5.82730	5	5.82730
10	जामताड़ा	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	1	1.22680	2	2.45360	1	1.07345	3	3.52705	4	4.75385
11	पाकुड़	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	1	1.22680	2	2.45360	2	2.14690	4	4.60050	5	5.82730
12	दुमका	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	3	3.68040	2	2.14690	5	5.82730	5	5.82730
13	साहेबगंज	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	3	3.68040	2	2.14690	5	5.82730	5	5.82730
14	हजारीबाग	1	1.22680	3	3.22035	4	4.44715	2	2.45360	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	6	6.90075
15	रामगढ़	1	1.22680	2	2.14690	3	3.37370	1	1.22680	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	4	4.60050
16	कोडरमा	1	1.22680	1	1.07345	2	2.30025	2	2.45360	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	4	4.75385
17	बोकारो	2	2.45360	1	1.07345	3	3.52705	1	1.22680	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	4	4.75385
18	धनबाद	1	1.22680	2	2.14690	3	3.37370	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	3	3.37370
19	गिरिडीह	1	1.22680	1	1.07345	2	2.30025	1	1.22680	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	3	3.52705
20	देवघर	1	1.22680	2	2.14690	3	3.37370	2	2.45360	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	5	5.82730
21	चतरा	1	1.22680	2	2.14690	3	3.37370	1	1.22680	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	4	4.60050
22	गोड्डा	1	1.22680	2	2.14690	3	3.37370	1	1.22680	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	4	4.60050
23	पलामू	1	1.22680	2	2.14690	3	3.37370	2	2.45360	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	5	5.82730
24	गढ़वा	2	2.45360	1	1.07345	3	3.52705	2	2.45360	0	0.00000	0	0.00000	0	0.00000	5	5.98065
कुल		13	15.94840	19	20.39555	32	36.34395	25	30.67000	33	40.48440	21	22.54245	54	63.02685	111	130.04080

नोट :- कर्णांकित राशि को आबंटन नहीं समझा जाय।

(मौ० एक करोड़ तीस लाख चार हजार अस्सी रु० मात्र)

(अबुबकर सिद्दीख पी०)
सरकार के सचिव

15.10.11
23.06.24

परिशिष्ट-V

वित्तीय वर्ष 2026-27 में माँग संख्या-53-क्यू, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) मुख्य शीर्ष-2405-मछली पालन-उप शीर्ष-06-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अंतर्गत फीड बैकड फिशरीज का मौसिक एवं वित्तीय लक्ष्य

क्र०		विला का नाम		101-अनुसूचित मछली पालन										2405-मछली पालन उप शीर्ष-06-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास योजना एवं जीर्णोद्धार										786-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष मदक योजना																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																
				03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री					786-अनुसूचित मछली पालन					03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री					786-अनुसूचित मछली पालन					03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री					786-अनुसूचित मछली पालन																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																											
				श्रावणी/ विनायी/ फिश कीड					2 mm से बड़े 4 mm तक के फिश कीड का व्यय					03-प्रशासनिक व्यय-17-आपूर्ति एवं सामग्री					03-प्रशासनिक व्यय-17-आपूर्ति एवं सामग्री					03-प्रशासनिक व्यय-17-आपूर्ति एवं सामग्री					03-प्रशासनिक व्यय-17-आपूर्ति एवं सामग्री					03-प्रशासनिक व्यय-17-आपूर्ति एवं सामग्री																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																						
				मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)	वित्तीय लक्ष्य (₹)	मौसिक लक्ष्य (टन)

(मौसिक लक्ष्य को अवरुद्ध नहीं समझा जाए।)

(व्यय को रकड़ बोनस के लक्ष्य पंजीकृत नहीं माना जाएगा।)

CS

श्री

CS

(अनुसूचित जातियों के लिए विशेष मदक योजना)

वित्तीय वर्ष 2026-27 में माँग संख्या-53-कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) मुख्य शीर्ष-2405-मछली पालन-उप शीर्ष-06-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अंतर्गत केज कल्चर द्वारा मछली उत्पादन एवं जलाशयों में फ्लोटिंग जेट्टी हेतु भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य की विवरणी

(क) जलाशयों/खदानों में केज अधिष्ठापन

(1) लघु शीर्ष-101-अन्तर्देशीय मछली पालन

क्रम	जिला का नाम	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री							
		केज बैटरी अधिष्ठापन		केज बैटरी हेतु इनपुट	सामान्य नाव		लाईफ जैकेट		कुल वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)
		भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	हजारीबाग	15	48.3300	30.00	1	0.36	5	0.09075	78.78075
2	रामगढ़	9	28.9980	18.00	1	0.36	5	0.09075	47.44875
3	कोडरमा	5	16.1100	10.00	2	0.72	8	0.14520	26.97520
4	बोकारो	5	16.1100	10.00	1	0.36	3	0.05445	26.52445
5	धनबाद	5	16.1100	10.00	1	0.36	3	0.05445	26.52445
6	गिरिडीह	2	6.4440	4.00	1	0.36	3	0.05445	10.85845
7	गोड्डा	8	25.7760	16.00	1	0.36	3	0.05445	42.19045
8	पलामू	5	16.1100	10.00	1	0.36	3	0.05445	26.52445
9	गढ़वा	3	9.6660	6.00	1	0.36	5	0.09075	16.11675
10	देवघर	5	16.1100	10.00	1	0.36	3	0.05445	26.52445
उप योग:		62	199.7640	124.00	11	3.960	41	0.74415	328.46815

(2) लघु शीर्ष-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना

क्रम	जिला का नाम	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री							
		केज बैटरी अधिष्ठापन		केज बैटरी हेतु इनपुट	सामान्य नाव		लाईफ जैकेट		कुल वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)
		भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	पलामू	2	6.4440	4.00	1	0.36	2	0.0363	10.8403
2	राँची	6	19.3320	12.00	1	0.36	3	0.0545	31.7465
3	गढ़वा	2	6.4440	4.00	1	0.36	2	0.0363	10.8403
4	सरायकेला	2	6.4440	4.00	1	0.36	2	0.0363	10.8403
5	रामगढ़	5	16.1100	10.00	1	0.36	3	0.0545	26.5245
6	कोडरमा	3	9.6660	6.00	1	0.36	3	0.0545	16.0805
7	बोकारो	1	3.2220	2.00	1	0.36	2	0.0363	5.6183
8	धतरा	2	6.4440	4.00	1	0.36	2	0.0363	10.8403
9	गोड्डा	4	12.8880	8.00	1	0.36	2	0.0363	21.2843
उप योग:		27	86.9940	54.00	9	3.240	21	0.38115	144.61515

(3) लघु शीर्ष-796-जनजातीय क्षेत्र उप योजना

क्रम	जिला का नाम	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री							
		केज बैटरी अधिष्ठापन		केज बैटरी हेतु इनपुट	सामान्य नाव		लाईफ जैकेट		कुल वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)
		भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	राँची	15	48.3300	30.00	2	0.72	6	0.1089	79.1589
2	सिमडेगा	8	25.7760	16.00	1	0.36	4	0.0726	42.2086
3	लातेहार	2	6.4440	4.00	1	0.36	2	0.0363	10.8403
4	चाईबासा	2	6.4440	4.00	1	0.36	3	0.0545	10.8585
5	सरायकेला	6	19.3320	12.00	1	0.36	3	0.0545	31.7465
6	दुमका	10	32.2200	20.00	1	0.36	3	0.0545	52.6345
7	पाकुड़	5	16.1100	10.00	1	0.36	2	0.0363	26.5063
उप योग:		48	154.6560	96.00	8	2.880	23	0.41745	253.95345
योग (क):		137	441.4140	274.00	28	10.08	85	1.54275	727.03675

(ख) जलाशयों में फ्लोटिंग जेट्टी (Floating Jetty) अधिष्ठापन

(1) लघु शीर्ष-101-अन्तर्देशीय मछली पालन

क्रम	जिला का नाम	जलाशय	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री		
			फ्लोटिंग जेट्टी अधिष्ठापन		कुल वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)
			भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	
1	2	3	4	5	6
1	हजारीबाग	जलाशय	1	14.36	14.3600
उप योग:			1	14.36	14.3600

(2) लघु शीर्ष-796-जनजातीय क्षेत्र उप योजना

क्रम	जिला का नाम	जलाशय	विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय-23-आपूर्ति एवं सामग्री		
			फ्लोटिंग जेट्टी अधिष्ठापन		कुल वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)
			भौतिक लक्ष्य (सं० में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	
1	2	3	4	5	6
1	राँची	जलाशय	1	14.36	14.3600
उप योग:			1	14.36	14.3600
योग (ख):			2	28.72	28.7200
कुल योग (क) + (ख):					755.75675

(क) कर्माधिकारी को आबंटन नहीं समझा जाए।

(क) + (ख) कुल माँ0 सात करोड़ पचपन लाख पचहत्तर हजार छह सौ पचहत्तर रुप मात्र।

(अबुबकर सिद्दीख पी०)
सरकार के सचिव

15270(140)

23.06.26

परिशिष्ट VII

वित्तीय वर्ष 2026-27 में माँग संख्या-53-कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) मुख्य शीर्ष-4405-मछली पालन पर पूंजीगत परियोजना-उप शीर्ष-72-तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना में जलाशयों के केजों के रिमॉडलिंग का भौतिक (केज बैटरी) एवं वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में) की विवरणी

क्रम	जिला का नाम	लघु शीर्ष-101-अन्तर्देशीय मछली पालन		लघु शीर्ष-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना		लघु शीर्ष-796-जनजातीय क्षेत्र उप योजना		कुल भौतिक लक्ष्य (केज बैटरी)	कुल वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)
		भौतिक लक्ष्य (केज बैटरी)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	भौतिक लक्ष्य (केज बैटरी)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)	भौतिक लक्ष्य (केज बैटरी)	वित्तीय लक्ष्य (लाख रु० में)		
		विस्तृत शीर्ष-05-निर्माण-44-जीर्णोद्धार							
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	राँची	0	0.0000	2	3.2850	8	13.1400	10	16.4250
2	खूंटी	0	0.0000	9	14.7825	1	1.6425	10	16.4250
3	गुमला	0	0.0000	0	0.0000	4	6.5700	4	6.5700
4	लोहरदगा	0	0.0000	0	0.0000	3	4.9275	3	4.9275
5	पश्चिमी सिंहभूम	0	0.0000	0	0.0000	2	3.2850	2	3.2850
6	सरायकेला	0	0.0000	2	3.2850	8	13.1400	10	16.4250
7	हजारीबाग	6	9.8550	2	3.2850	0	0.0000	8	13.1400
8	रामगढ़	8	13.1400	0	0.0000	0	0.0000	8	13.1400
9	बोकारो	5	8.2125	2	3.2850	0	0.0000	7	11.4975
10	देवघर	5	8.2125	0	0.0000	0	0.0000	5	8.2125
11	दुमका	0	0.0000	0	0.0000	12	19.7100	12	19.7100
	कुल	24	39.4200	17	27.9225	38	62.4150	79	129.7575

(कर्णांकित राशि को आबंटन नहीं समझा जाए।)

(मो० एक करोड़ उनतीस लाख पचहत्तर हजार सात सौ पचास रु० मात्र)।




(अबुबकर सिद्दीक) 10
सरकार के सचिव

15770 (100)

परिशिष्ट 'VIII'

वित्तीय वर्ष 2026-27 में माँग संख्या-53-कृषि, पर्यावरण एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) अंतर्गत तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अंतर्गत बायोफ्लोरिक तालाब निर्माण (इनपुट सहित) का वित्तीय मासिक (यूनिट में) एवं वित्तीय (लाख ₹0 में) ताल

क्रम	जिला का नाम	लघु शीर्ष-101-अन्तर्देशीय मछली पालन										लघु शीर्ष-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना										लघु शीर्ष-796-जनजातीय क्षेत्र विकास																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																				
		मासिक ताल					वित्तीय ताल (निर्माण + इनपुट)					मासिक	वित्तीय ताल (निर्माण + इनपुट)					मासिक	वित्तीय ताल (निर्माण + इनपुट)					मासिक	वित्तीय ताल (निर्माण + इनपुट)																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																	
		अनुसूचित जनजाति	अन्य	कुल	अनुसूचित जनजाति	अन्य	कुल	अनुसूचित जनजाति	अन्य	कुल	अनुसूचित जनजाति		अन्य	कुल	अनुसूचित जनजाति	अन्य	कुल		अनुसूचित जनजाति	अन्य	कुल	अनुसूचित जनजाति	अन्य		कुल	अनुसूचित जनजाति	अन्य	कुल	अनुसूचित जनजाति	अन्य	कुल																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																																											

(नोट दस करोड़ पचाहत्तर लाख बीस हजार ₹0 मात्र)

सर्वकार के तय

नोट - कर्णिकित राशि को आवंटन नहीं समझा जाय।